[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8895 **F-4** **Your Roll No................**

Unique Paper Code : 2051402

Name of the Course : **B.A. (H.) Hindi**

Name of the Paper : Paper - VIII : Aadhunik Hindi Kavita-I

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. निम्नलिखित काव्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

प्रियतम! तुम श्रुति-पथ से आये।

तुम्हें हृदय में रखकर मैंने अधर-कपाट लगाये।

मेरे हास-विलास! किन्तु क्या भाग्य तुम्हें रख पाये?

दृष्टि मार्ग से निकल गये ये तुम रसमय मनभाये।

प्रियतम! तुम श्रुति-पथ से आये।

अथवा

कोई न छायादार

पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;

P.T.O.

श्याम तन, भर बँधा यौवन,

नत नयन प्रिय, कर्मरत मन,

गुरु हथौड़ा हाथ

करती बार-बार प्रहार:-

सामने तरु-मलिका अट्टालिका, प्राकार। (९)

2. निम्नलिखित काव्यांश का रचना-कौशल उद्घाटित कीजिए:

(निर्देश : वीर रस)

हल्दी-घाटी के शिलाखण्ड,

ऐ दुर्ग! सिंह-गढ़ के प्रचंड

राणा ताना का कर घमंड

दो जगा आज स्मृतियाँ ज्वलंत

वीरों का कैसा हो वसंत?

अथवा

निर्देश : (प्रकृति- सौन्दर्य)

बीती विभावरी जाग री!

अम्बर पनघट में डुबो रही-

तारा-घट उषा नागरी।

खग-कुल कुल-कुल-सा बोल रहा,

किसलय का अंचल डोल रहा।

लो यह लतिका भी भर लायी

मधु मुकुल नवल रस गागरी। (९)

3. 'सूर्यकांत त्रिपाठी निराला' अथवा 'रामधारी सिंह दिनकर' अथवा सुभद्राकुमारी चौहान काव्यगत विशेषताओं पर विचार कीजिए। (८)

4. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) 'यशोधरा' काव्य के आधार पर 'यशोधरा' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

यशोधरा के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) छायावाद की प्रवृत्तियों के आधार पर 'लहर' की कविताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

'सुभद्रा कुमारी चौहान' की राष्ट्रीय- चेतना पर विचार कीजिए।

(ग) 'निराला' छायावादी ही नहीं प्रगतिवादी चेतना के भी कवि हैं' स्पष्ट कीजिए। (14×3=42)

अथवा

'रश्मिरथी' के प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए।

5. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए:

(i) 'अशोक की चिन्ता' का प्रतिपाद्य।

(ii) 'सखी वे मुझसे कहकर जाते' की मूल-संवेदना। (7)